☐ **परिवार :** मत्ती 5:27-32, 1 कुरिन्थियों 7:10-16, इफिसियों 5:21-6:4, इब्रानियों 13:4, सभोपदेशक 22:6 ।

☐ **झूठे शिक्षक :** मत्ती 24:24, रोमियो 16:18, 2 कुरिन्थियों 11:3, 2 तीमुथियुस 4:1-5, 2 पतरस 2:1-3 । जो शास्त्र से अधिक सनसनीखेज बातों पर जोर देते हैं उन सभी से दूर रहे ।

☐ **सच सिखाएं :** मत्ती 28:18-20, रोमियो 12:7, 2 तीमुथियुस 2:15, 3:16-17, तीतुस 2:1, 1 पतरस 4:11 ।

☐ **पवित्र आत्मा की शक्ति मे गवाही देते जाए :** बाहर जाकर लोगों को फिर से सुसमाचार साझा करें । यीशु पर विश्वाश करने के लिए लोगों को आमंत्रित करें । इस संसाधन के माध्यम से नए विश्वासियों को शिष्यत्व मे नेतृत्व करना शुरू करें ।

☐ **जुडिये :** कुछ ऐसा करें जो मजेदार हो। आप जो सीख रहे हैं, उसके बारे में चर्चा करते हुए समय बिताएं। साथ में प्रार्थना करें ।

☐ **परमेश्वर के बारे में सच्चाई-त्रिएक परमेश्वर :** मत्ती 28:19, उत्पत्ति 1:26, यूहन्ना 1:1 और 14, 2 कुरिन्थियों 3:18 । पिता, पुत्र (यीशु), और पवित्र आत्मा एक हैं । जैसे 1 कमरे में 3 भाग होते हैं, ऊँचाई, लंबाई और चौड़ाई, परमेश्वर भी पूरी तरह से 1 में 3 है ।

☐ **यीशु के बारे में सच्चाई :** यूहन्ना 3:16, 6:40, 14:6, मत्ती 1:23, प्रेरितों के काम 4:12, 1 यूहन्ना 2:2, 1 कुरिन्थियों 15:17-22 । यीशु के जीवन, सेवकाई, मृत्यु और पुनरुत्थान की ऐतिहासिक प्रमाण अखंडनीय है । thebestfacts.com पर अधिक जानें ।

☐ **लोगों के बारे में सच्चाई :** मत्ती 9:36-38, लुका 19:10, यूहन्ना 12:32-33, 1 तीमुथियुस 2:3-4, 2 पतरस 3:9 ।

☐ **गवाही दे :** अगले एक महीने तक रोजाना गवाही देते रहें । मसीह पर भरोसा करने वाले सभी लोगों के साथ इस साधन के माध्यम से काम करना शुरू करें ।

☐ **उत्तम तरीके से नेतृत्व करें :** मत्ती 20:25-28, 1 कुरिन्थियों 11:1, 1 तीमुथियुस 3:1-13, 4:12-16, तीतुस 1:5-9, 1 पतरस 5:1-5 ।

☐ **डर को अनुमति ना दे की वह आपको निर्भीक सेवकाई से दूर रखे :** यूहन्ना 14:27, मरकुस 13:11, भजन संहिता 23:4, यहोशू 1:8-9 ।

☐ **ज़ुल्म या विरोध को अनुमति ना दे की वह आपको रोके :** मत्ती 5:10-16, 2 तीमुथियुस 3:12, 1 पतरस 4:12-19 ।

☐ **संख्यावृद्धि करना :** मत्ती 13:23, 28:18-20, मरकुस 13:10, प्रेरितों के काम 1:8, 2 तीमुथियुस 2:2 । कम से कम एक व्यक्ति के साथ ऐसा करना शुरू करें, जो विश्वसनीय, उपलब्ध, पक्के इरादे वाला, शिक्षणीय और परमेश्वर को बहुत चाहता हो ।

जश्न मनाए : दोस्तों को आमंत्रित करें, कुछ कहानियाँ सुनाए, भव्य भोजन करें, प्रार्थना करें और एक वर्ष का शिष्यत्व के समाप्ति पर जश्न मनाए ।

एक वर्षीय शिष्यत्व

greatcommissionacademy.com/oyd

यदि आप हर वर्ष इस प्रक्रिया को दोहराते हैं, और आप उन लोगों को प्रशिक्षित करते हैं जिन्हें आप शिष्य मानते हैं, तो 40 वर्ष से भी कम समय में पूरी दुनिया तक सुसमाचार पहुंचाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए परमेश्वर ने आपको उसके वचन में और उसकी आत्मा के ज़रिए वह सब कुछ दिया है जिसकी आपको ज़रूरत है । (2 पतरस 1:3, इफिसियों 5:18) ।

निर्देश : दूसरों का शिष्यत्व मे नेतृत्व करते समय, परमेश्वर के साथ अपनी सम्बंध को मजबूत रखें (यूहन्ना 15:5) । हर हफ्ते मिलते रहें (पुरुषों के साथ पुरुष, महिलाओं के साथ महिलाएं,तितुस 2:1-8) । प्रत्येक सप्ताह के अनुसंकेत निर्देशों का पालन करें । प्रार्थना और बातचीत से शुरू करें । फिर, इस पत्रिका में दिए गए रूपरेखा का पालन करें । उचित प्रश्न पूछें और आने वाले प्रश्नों के उत्तर देने के लिए पर्याप्त समय दें । सदैव परमेश्वर के वचन, पवित्र आत्मा की शक्ति, प्रेम, स्वीकृति, अनुग्रह और स्वतंत्रता पर जोर दें । पिछली बार कहे गए सिद्धांतों को दोहराएं । समाप्त करने से पहले, अगली मुलाकात का समय निर्धारित करें ।

अध्ययन : पद्यों को पढ़े । प्रत्येक पद्य के विचार के ऊपर चर्चा करें (कौन, क्या, कब, कहाँ, कैसे और क्यों जैसे प्रश्न पूछें) । अर्थ पर विचार-विमर्श करें (टिप्पणियों, पद्य के संदर्भ और अन्य परिच्छेदों पर विचार करें) । चर्चा करें कि प्रत्येक पद्य के सच्चाई को व्यावहारिक जीवन मे कैसे अमल किया जा सकता है ।

अमल करना : सुझाए गए विचार को व्यावहारिक जीवन मे अमल करें । प्रार्थना मे शुरू और समाप्त करें । अमल करने का समय निर्धारित करना सुनिश्चित करें ।

जुड़िये : कुछ ऐसा करें जो मजेदार हो । परमेश्वर के साथ अपने जीवन यात्रा के बारे में गहरी बातचीत करें (संघर्ष, सफलताए, प्रक्रिया, जरूरतों आदि पर चर्चा करें) । एक दूसरे को प्रोत्साहित करें । एक साथ प्रार्थना करे ।

जांच बन्दि : हर मुलाकात के बाद बॉक्स मे सही का निशान लागाएं । फिर आप लोग अगली बार कब और कहां मिलेंगे, इसका समय निर्धारित करें ।

☐ **उद्धार :** यूहन्ना 3:16, इफिसियों 2:8-10, रोमियो 3:23, 6:23, 5:8, 10:9 । क्या आपने विश्वास के माध्यम से मसीह को अपना जीवन समर्पण किया है? यदि नहीं, तो प्रार्थना के माध्यम से अभी करें । यदि ऐसा है, तो आप परमेश्वर के सन्तान हैं । विश्वास के द्वारा, अनुग्रह ही से उद्धार मिलता है, और कार्यों से नहीं । बपतिस्मा उस तथ्य का सिर्फ प्रदर्शन है (मत्ती 28:18-20) । यदि आपको बपतिस्मा नहीं दिया गया है, तो ऐसा करने पर विचार करें । प्रार्थना में समाप्त करें । अगली मुलाक़ात का समय निर्धारित करें ।

☐ **अपनी कहानी साझा करने के लिए तैयार रहें :** 3 ऐसी बातें लिखिए जो मसीह को पाने से पहले आपके जीवन को दर्शाती हैं । फिर, सुसमाचार का वर्णन करें (पिछली मुलाक़ात को याद रखें) और आपने कब और कैसे जवाब दिया । अंत में, 3 ऐसी बातें लिखिए जो अब आप मसीह के कारण हैं । जानकारी के लिए: oasisworldministries.org/one-minute-witness.

Hindi

पहचान: यूहन्ना 1:12, 10:25-30, रोमियो 8:38-39, 2 कुरिन्थियों 5:17, इफिसियों 2:8-10, फिलिप्पियों 1:6, भजन संहिता 139:1-18 ।

अपनी गवाही का अभ्यास करें: मुलाक़ातो की समीक्षा करें । अपनी गवाही मे सुधार और साझा करने की अभ्यास एक साथ करें ।

प्रेम: मरकुस 12:29-31, यूहन्ना 13:34-35, 15:5, 9, 1 कुरिन्थियों 13:4-8. गलातियों 5:22-23.

प्रत्येक दिन यीशु के साथ निर्धारित समय बिताए : मरकुस 1:35, लुका 10:38-42, मत्ती 4:4, फिलिप्पियों 4:6-7 ।

परमेश्वर की अनुग्रह मे चलना: लुका 4:18-19, रोमियो 5:1-2, 2 कुरिन्थियों 12:9, इफिसियों 2:8-10, 2 तीमुथियुस 2:1। परमेश्वर की अच्छाइयों और उपबंधों मे आशा रखते हुए जिए ।

बाइबल के आधार पर अपने जीवन का निर्माण करे : मत्ती 7:24-27, 2 तीमुथियुस 2:15, 3:16, भजन संहिता 1:1-3, 119:11, याकूब 1:22 । बाइबल पाठ की दृष्टि से, ऐतिहासिक रूप से, भविष्यवाणी के आधार पर और वैज्ञानिक रूप से खरा है । thebestfacts.com पर और जानें । हर दिन इसे पढ़ने, अध्ययन करने और अमल करने की आदत डालें ।

परमेश्वर के वचन में विश्वास रखकर चलना : मत्ती 4:4, रोमियो 10:17, 1 कुरिन्थियों 16:13-14, गलातियों 2:20, इब्रानियों 11:1-6 । भावनाओं या परिस्थितियों की परवाह किए बिना, परमेश्वर के वचन के आधार पर विश्वास से निर्णय लें ।

जुड़िये: कुछ ऐसा करें जो मजेदार हो । आप जो सीख रहे हैं, उसके बारे में चर्चा करते हुए समय बिताएं । साथ में प्रार्थना करें ।

कठिनाइयों में परमेश्वर पर भरोसा रखना : मत्ती 6:25-34, रोमियो 8:28, 2 कुरिन्थियों 12:7-10, याकूब 1:2-4, 1 पतरस 4:19 । अपनी परिस्थितियों में परमेश्वर की ओर देखे ।

पाप से निपटना : यूहन्ना 8:31-36, रोमियो 7:14-8:1, 1 कुरिन्थियों 10:13, भजन संहिता 103:12, 1 यूहन्ना 1:5-9 (यह परमेश्वर के साथ संगति या घनिष्ठता के संदर्भ में है) । जब आपने यीशु पर अपना विश्वास रखा तभी आपका उद्धार और परमेश्वर के साथ का संबंध अनुग्रह द्वारा स्थापित किया गया । अब, परमेश्वर के साथ आपकी निकटता को पाप प्रभावित करता है और जब आप इसे स्वीकार करते हैं तो परमेश्वर आपको क्षमा करता है और निकटता को पुनर्स्थापित करता है ।

पवित्र आत्मा की शक्ति में चलना: यूहन्ना 7:38-39, 16:7, 1 कुरिन्थियों 3:16, 6:19, 12:13, इफिसियों 5:18, 1 यूहन्ना 5:14-15 । आप, उद्धार प्राप्त करते समय पवित्र आत्मा से भर जाते हैं, लेकिन आपको निरंतर आधार पर पवित्र आत्मा से लगातार भरे जाने की आज्ञा दी गई है । जो कुछ आप परमेश्वर की इच्छा के अनुसार मांगते हैं, वह आपको देने का वादा करता है। चूँकि यह उसकी इच्छा है, हर बार जब आप उसके बारे में सोचें, तब आप उसे अपनी आत्मा से भरने के लिए कहें और फिर उसे विश्वास द्वारा आपको उसकी इच्छा के लिए सशक्त बनाने की अनुमति दें । वह आपको उन सभी कार्यों के लिए सशक्त करेगा जिसके लिए वह आपको बुलाता है ।

पवित्र आत्मा की शक्ति मे गवाही देते जाए : दूसरी बैठक मे दी गही अपनी गवाही को परिष्कत करें । फिर. परमेश्वर से आपको उसकी आत्मा से भरने के लिए कहें । फिर, विश्वास से बाहर जाए और अपनी गवाही साझा करें । किसी से पूछें कि क्या आप उनसे कोई सवाल पूछ सकते हैं । फिर आप उन्हें कुछ अद्भुत घटना साझा करने के लिए कहें जो उनके साथ हुआ हो । सुने और उस व्यक्ति की परिस्थिति में खुद की कल्पना करें । पूछे, यदि आप अपनी गवाही दे सकते हैं । फिर उनके साथ साझा करें ।

प्रार्थना : मत्ती 6:9-13, यूहन्ना 14:13-14, फिलिप्पियों 4:6-7, 1 थिस्सलनीकियों 5:17. 1 यहन्ना 5:14-15 ।

शीर्ष के 10 सूची बनाएं : उन 10 दोस्तों के नाम लिखिए जो यीशु को नहीं जानते हैं । उनके लिए रोज प्रार्थना करना शुरू करें ।

जुड़िये : कुछ ऐसा करें जो मजेदार हो । आप जो सीख रहे हैं, उसके बारे में चर्चा करते हुए समय बिताएं । साथ में प्रार्थना करें ।

गिरजाघर : यूहन्ना 13:34-35, 1 कुरिन्थियों 13:4-8, प्रेरितों के काम 2:42, रोमियो 12:3-10, इब्रानियों 3:13, 10:24-25 ।

संघर्ष से निपटना : मत्ती 18:21-22, 5:23-24, 18:15-17, 7:3-5, रोमियो 12:18, कुलुस्सियों 3:13 ।

गवाही : प्रेरितों के काम 1:8, मत्ती 4:19, 9:36-38, 13:3-9, रोमियो 10:13-15, कुलुस्सियों 4:5 ।

पवित्र आत्मा की शक्ति मे गवाही देते जाए : पिछली बार की तरह ही करें । सुसमाचार को स्पष्ट करें (पहली मुलाकात को याद करे) । यीशु पर विश्वाश करने के लिए लोगों को आमंत्रित करें ।

एक महान आज्ञा के उद्देश्य के साथ जीना : प्रेरितों के काम 1:8, मत्ती 6:20, 9:36-38, 28:18-20, 1 कुरिन्थियों 10:31, यूहन्ना 15:5, कुलुस्सियों 3:23 । आप सुसमाचार साझा करने और चेले बनाने के क्रिया को अपने जीवन का उद्देश्य कैसे बना सकते हैं?

अपने आध्यात्मिक वरदान का उपयोग करना : मत्ती 5:15-16, रोमियो 12:1-11, 1 कुरिन्थियों 12:4-11, इफिसियों 4:11-13 । महान आज्ञा के उद्देश्य से विनम्रता से अन्य विश्वासियों के साथ एकता में अपने वरदानों का उपयोग करें । यीशु और उसके वचन को अपने ध्यान में रखें ।

जुड़िये : कुछ ऐसा करें जो मजेदार हो। आप जो सीख रहे हैं, उसके बारे में चर्चा करते हुए समय बिताएं। साथ में प्रार्थना करें ।

समीक्षा करें : मत्ती 7:24-27 । पिछले मुलाकातों की समीक्षा कारें । आपको अब आगे और क्या कदम उठाने होंगे?

जरूरतमंदों की सेवा करें : मत्ती 25:34-40, भजन संहिता 82:3-4, याकूब 1:27 और 1 पतरस 2:12 पढ़े । फिर बाहर जाकर लोगों की ज़रूरत को पूरा करें और सुसमाचार को भी साझा करें।

ईमानदारी में चलना : यूहन्ना 14:15, गलातियों 5:19-23, इफिसियों 5:1-4, कुलुस्सियों 3:1-10 ।